अयोध्या में पर्यटन, निवेश कारोबार के बढ़े अवसर

माई सिटी रिपोर्टर

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बढ़ी अर्थववस्था, आईआईएम लखनऊ की अध्ययन रिपोर्ट

लखनऊ। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में आस्था के साथ अर्थव्यवस्था ने भी नई उड़ान भरी है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ की अध्ययन रिपोर्ट में सामने आया है कि मंदिर बनने के बाद अयोध्या में तेज आर्थिक बदलाव आया है।

आईआईएम लखनऊ में ऑपरेशंस और सप्लाई चेन मैनेजमेंट के प्रोफेसर वेंकटरमणैया सद्दीकुटी और यूपी सरकार के इकनॉमिक एडवाइजर केवी राजू के नेतृत्व में अध्ययन हुआ है। इसकी रिपोर्ट में कहा गया कि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में हर साल करीब 1.7 लाख श्रद्धालु आते थे। 2024 के बाद पहले छह महीनों में ही करीब 11 करोड़ लोगों ने रामलला के दर्शन किए।

जनवरी 2024 में 2.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। बढ़े पर्यटकों व दर्शनार्थियों का सीधा फायदा स्थानीय व्यापारियों को मिला है। जो दुकानदार पहले रोजाना करीब 500 रुपये कमाते थे, उनकी आमदनी ढाई हजार रुपये तक हो गई है। आने वाले वर्षों में हर साल करीब छह करोड़ पर्यटक अयोध्या आएंगे। इससे सालाना दस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की आय की उम्मीद है।

■ **जमीन व मकानों की कीमतों में 25 से 40 फीसदी की उछाल :** राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में तेजी से विकास कार्य हुए हैं। इससे जमीन और मकानों की कीमत में 25 से 40 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है। मंदिर के आसपास जमीन के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा, नया रेलवे स्टेशन और हजारों करोड़ की परियोजनाएं शहर की पहचान को बदल रही हैं। होटल, रेस्टोरेंट, बैंक और होमस्टे में बड़ा इजाफा हुआ है। ऑनलाइन बुकिंग में चार गुना तक की वृद्धि आई है। अध्ययन बताता है कि धार्मिक पर्यटन किसी शहर की अर्थव्यवस्था को किस तरह मजबूत बना सकता है।